जनोदय पंच

RNI No. MPHIN/25/A2500

बेखौफ, बेधड़क सच



इंदौर-बड़वानी से प्रकाशित, डिजीटल संस्करण | सोमवार, 02 मार्च 2026 | कीमत : 1 रुपए

सेंधवा के भगोरिया हाट में अड़ा जन सैलाब, परंपरा और उत्साह का संगम



रमन बोरखड़े, सेंधवा

सेंधवा में रविवार को आयोजित भगोरिया हाट में पारंपरिक उत्साह और सामूहिक सहभागिता का दृश्य दिखाई दिया। 500 से अधिक दुकानें सजीं। विधायक मोंटू सोलंकी और सिलदार सोलंकी ने सहभागिता की। अजजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने मिलन समारोह आयोजित किया।

रविवार को आयोजित भगोरिया हाट में खरीददारी, लोक संगीत और नृत्य के बीच आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। ढोल-मांदल की गूंज से पूरा हाट उत्सव के रंग में रंगा दिखाई दिया। लोग परिवार और साथियों के साथ पहुंचे और मेले की रौनक का आनंद लिया। दुकानों पर पारंपरिक खरीददारी होती रही। युवक-युवतियां ढोल-मांदल की थाप पर झूमते नजर आए।

मांदल पर थिरके विधायक

इसी उत्साहपूर्ण माहौल में विधायक मोंटू सोलंकी हाट में पहुंचे। उन्होंने ढोल बजाकर लोगों के साथ उत्सव में भाग लिया और मांदल पर झूमते नजर आए। उनकी सहभागिता से माहौल और अधिक जीवंत हो गया। किसान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सिलदार सोलंकी ने भी भगोरिया हाट में सहभागिता की। मेले में 500 से अधिक छोटी-बड़ी दुकानें लगीं। लोगों ने खरीदारी की, झूलों का आनंद लिया और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद चखा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस और प्रशासन मौजूद रहा। किसान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सिलदार सोलंकी ने भी भगोरिया हाट में सहभागिता की।



विधायक ने दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर विधायक मोंटू सोलंकी ने सभी क्षेत्रवासियों को होली और भगोरिया की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह आदिवासी समाज की संस्कृति है, जिसे बचाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाता है।

पोहे और पानी की व्यवस्था

इस अवसर पर विधायक मोंटू सोलंकी ने विधायक कार्यालय के सामने ग्रामीणों के लिए पोहे और पानी की व्यवस्था की। विधायक ने स्वयं अपने हाथों से पोहे व पानी वितरण भी किया।

ढोल-मांदल की थाप पर थिरके विधायक सोलंकी, आर्य के निवास पर मिलन समारोह



मिलन समारोह का आयोजन

अजजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने रविवार को अपने निवास पर भगोरिया मिलन समारोह आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में शहरवासी, ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीणजन और कार्यकर्तागण पहुंचे। क्षेत्रवासियों के साथ पारंपरिक गुड़-सेव एवं चने का आनंद लिया गया और आत्मीय मुलाकात कर शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।













